नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

नदियां छलनी, पहाड़ जमींदोज, माफिया बेखौफ

प्रदेश में रेत से लेकर कीमती खनिज तक का धड़ल्ले से हो रहा अवैध खनन, जिम्मेदार मौन

नवभारत टीम

भोपाल, 19 सितंबर. बारिश के बीच भी प्रदेश में अवैध खनन माफिया बेखौफ है. पत्थर-मुरम की खदानों में मशीनें धड़ल्ले से गरज रही हैं, जबकि मानसून में खनन को लेकर पर्यावरणीय और सुरक्षा शर्तें लागू हैं. राजधानी भोपाल से लेकर अलग-अलग जिलों में अवैध खनन किया जा रहा है.

बीते तीन साल में 3846 अवैध उत्खनन के प्रकरण दर्ज हुए. इनमें 3469 मामलों में सिर्फ जुर्माना हुआ. यही वजह है कि बारिश में भी खदानों में मशीनें बेधड़क चल रही हैं. अवैध उत्खनन पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग पाया है. सवाल खनन माफिया के दुस्साहस से ज्यादा खनिज विभाग के साथ-साथ पुलिस प्रशासन पर है, जिसकी निगरानी के बावजूद मानसून में भी खदानों की मशीनें बेखौफ गरज रही हैं. प्रदेश में 718 प्रमुख खदानें और 42 जिलों में रेत का उत्खनन होता है.

03 साल में अवैध उत्खनन के 3846 प्रकरण

718 प्रमुख खदान प्रदेश में , 42 जिलों में रेत का उत्खनन

नदी में नावें, पहाड़ों पर मशीनें...
मालवा-निमाड़ में खनन का खेल बेधड़क

प्रतिबंध के बावजूद देवास के नेमावर-खातेगांव क्षेत्र में इमलीघाट, बिजलगांव, करोंद, चिचली और दय्यत जैसे घाटों पर नदी के बीच से रेत निकाले जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं. नावों में जाली लगाकर रेत जमा की जा रही है, कहीं मोटरपंप से नदी की रेत खींची जा रही है और फिर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से बाहर भेजी जा रही है. दूसरी तरफ देवास शहर के आसपास की पहाड़ियों में मुरम की खुदाई ने प्राकृतिक स्वरूप बदल दिया है. ग्रामीणों के मुताबिक कई ट्रैक्टर बिना नंबर प्लेट के घाटों तक पहुंचते हैं. खनिज विभाग का कहना है कि टीम पहुंचने से पहले ही मुखबिरों के जरिए सूचना पहुंच जाती है.

विस में भी उठा चुके हैं मामला

नर्मदा नदी से रेत उत्खनन को लेकर विधानसभा में प्रश्न लगाया है. कलेक्टर को भी समय-समय पर कार्रवाई के लिए अवगत करा रहे हैं. इसे खुफिया ऑपरेशन चलाया जाना चाहिए. आशीष शर्मा, विधायक देवास

अवैध खनन से सरकार को हजारों करोड़ की चपत

खनिज गतिविधियों से जुड़े जिला खनिज प्रतिष्ठान मद में भी बड़ा वित्तीय आंकड़ा सामने आया है. सरकार के अनुसार वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2024-25 तक प्रदेश में 3734.85 करोड़ रुपए जमा हुए, जबकि इसी अवधि में 1109.33 करोड़ रुपए खर्च किए गए. अवैध खनन से सरकार के राजस्व में भी चपत लग रही है.

खनन से 3972 परिवार विस्थापित

खनन परियोजनाओं के कारण पिछले तीन वर्षों में अनूपपुर, उमरिया और सिंगरौली में विस्थापन की स्थिति भी सामने आई है. अनूपपुर में 412 व्यक्ति/परिवार विस्थापित हुए, जिनमें 214 अनुसूचित जनजाति परिवार शामिल हैं. उमरिया में 91 विस्थापित हुए, जिनमें 64 अनुसूचित जनजाति परिवार हैं. सिंगरौली में सबसे ज्यादा 3469 विस्थापित हुए, जिनमें 1185 अनुसूचित जनजाति परिवार शामिल हैं. इन तीन जिलों को मिलाकर 3972 व्यक्ति/परिवार विस्थापन की श्रेणी में आए. सरकार के अनुसार सभी विस्थापितों के पुनर्वास और मुआवजे की राशि प्रदान करने की कार्रवाई की जा चुकी है.

खदान से क्रेशर, नदी से डंपर और हीरे से बाजार तक... विंध्य में खनिज माफिया का पूरा नेटवर्क

विंध्य की खनिज संपदा पर अवैध कारोबारियों की पकड़ की तस्वीर सतना-मैहर से रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली और पन्ना तक दिखाई देती है. सतना-मैहर में चूना पत्थर और बॉक्साइट, रीवा-मऊगंज में पत्थर और पटिया तो सिंगरौली-सीधी में रेत के अवैध उत्खनन की शिकायतें हैं. विधानसभा के रिकॉर्ड में भी रीवा और सिंगरौली में अवैध उत्खनन के प्रकरण दर्ज होने की जानकारी सामने आ चुकी है. सीधी में बंद रेत खदानों के बावजूद अवैध उत्खनन पर मशीनें और वाहन जब्त किए गए. पन्ना में मामला पत्थर से आगे हीरे तक पहुंचता है. स्वीकृत क्षेत्र से बाहर खनन और प्रभावशाली लोगों के नाम पर खदान संचालन के आरोपों ने निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं. यानी पहाड़ हो या नदी, पत्थर हो या हीरा—खदान से डंपर, डंपर से क्रेशर और क्रेशर से बाजार तक एक पूरा नेटवर्क दिखाई देता है. सवाल यह है कि कार्रवाई के बाद भी यह कारोबार कैसे खड़ा हो जाता है.

महाकौशल में माफिया फील्ड पर... माइनिंग का मैदानी सिपाही गायब, नर्मदा का बेधड़क दोहन

महाकौशल में जमीन के नीचे छिपी खनिज संपदा ऊपर आते-आते अवैध कारोबार का हिस्सा बन रही है. बालाघाट में बॉक्साइट, कटनी में आयरन ओर तो जबलपुर में नर्मदा-हिरन की रेत—खनन का खेल सिर्फ एक खनिज या एक जिले तक सीमित नहीं है. सरकारी रिकॉर्ड और हाल की कार्रवाइयां खुद बता रही हैं कि अवैध उत्खनन का दायरा कितना बड़ा है. बालाघाट में अवैध रेत उत्खनन की जांच में 16 वाहन जब्त और सात

एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं. जबलपुर में स्थिति तो ऐसी है कि 14 महीने से रेत खदानों का ठेका नहीं होने के बावजूद 15 किलोमीटर के दायरे में आठ से ज्यादा अवैध डंप और करीब 500 हाइवा रेत मिलने जब्त हुई है.

चंबल का सीना छलनी, रेत माफिया का पूरे अंचल में जाल, खौफ में जी रहे घड़ियाल

ग्वालियर में पार्वती-सिंध के घाटों से पनडुब्बियों के जरिए रेत निकाली जा रही है. दतिया में सिंध और पहूज पर अस्थायी पुल तक बनाकर रेत बाहर ले जाने के मामले सामने आए हैं. श्योपुर में चंबल-पार्वती के घाटों से ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की आवाजाही और घड़ियाल अभयारण्य क्षेत्र में खनन पर्यावरण के लिए खतरा बना है. मुरैना में चंबल और आसन नदी के घाटों पर लगातार कार्रवाई के बावजूद अवैध परिवहन पकड़ में आ रहा है.

पुलिस ने भी स्वीकारा

अवैध रेत उत्खनन रोकने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है. हम माइनिंग और फॉरेस्ट महकमों के साथ मिलकर अभियान चला रहे हैं. लगभग रोज ही रेत से भरी ट्रैक्टर ट्रॉलियां पकड़ी जा रही हैं. धर्मवीर सिंह, एसएसपी

एक नजर में

48 घंटे में डेंगू-स्वाइन फ्लू के 5 नए मरीज

ग्वालियर. बदलते मौसम और लगातार बारिश के बीच जिले में मौसमी और संक्रामक बीमारियों का प्रकोप बढ़ रहा है. पिछले 48 घंटे में डेंगू और स्वाइन फ्लू के पांच नए मरीज सामने आए हैं. इनमें स्वाइन फ्लू के तीन और डेंगू के दो मरीज शामिल हैं. स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से सितंबर तक जिले में डेंगू के 96, स्वाइन फ्लू के 10 और चिकनगुनिया के छह पुष्ट मामले सामने आ चुके हैं.

21 करोड़ की साइबर ठगी में आठवां आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर. ग्वालियर के 70 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट अशोक विजयवर्गीय से 21 करोड़ 5 लाख 92 हजार रुपए की साइबर ठगी के मामले में राज्य साइबर पुलिस ने छत्तीसगढ़ के कबीरधाम से कारोबारी मिथिलेश जायसवाल को गिरफ्तार किया है. पुलिस के अनुसार वह मामले में आठवां आरोपी है. उसका भाई गिरिजेश पुलिस की कार्रवाई से पहले फरार हो गया.

एश डाइक सुधार के लिए सासन पावर को सख्त निर्देश

- 50 लाख की बैंक गारंटी जमा करने के आदेश
- 31 दिसंबर तक पूरा करना होगा काम

नवभारत न्यूज

सिंगरौली, 19 सितंबर. सासन पावर लिमिटेड के एश डाइक से फ्लाई-ऐश के खेतों तक पहुंचने की घटना के बाद मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने कंपनी को सुरक्षा और स्थायित्व से जुड़े सुधार कार्य कराने के निर्देश

दिए हैं. कलेक्टर गौरव बैनल के प्रतिवेदन और विशेषज्ञ समिति की तकनीकी रिपोर्ट के आधार पर बोर्ड ने 31 दिसंबर 2026 तक सुधार कार्य पूरा करने की समय-सीमा तय की है. बारिश के दौरान एश डाइक के बाहरी हिस्से में क्षति के बाद विशेषज्ञ समिति ने 3 और 4 सितंबर को मौके का निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार की थी. इसके

> कंपनी को एश डाइक का स्टेबिलिटी एनालिसिस कराने के साथ क्रैक व इरोशन चैनल का उपचार भी करना होगा. सीसीटीवी आधारित व्यवस्था, ऑटोमेटेड अर्ली वार्निंग सिस्टम और पोर-वॉटर प्रेशर की निगरानी के भी आदेश दिए गए हैं.

आधार पर क्षतिग्रस्त एम्बैंकमेंट की मरम्मत, स्लोप की ग्रेडिंग, इरोशन प्रोटेक्शन और बेहतर ड्रेनेज सिस्टम विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं.

बस की टक्कर से कार सवार चार की मौत

सागर, 19 सितंबर. बहेरिया थाना क्षेत्र में सागर-दमोह-जबलपुर स्टेट हाईवे पर शनिवार दोपहर तेज रफ्तार निजी यात्री बस की टक्कर से कार सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है. घायल का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है.

पुलिस के अनुसार, अर्टिगा कार क्रमांक एचआर 16 जेड 2408 में सवार लोग सागर से दमोह की ओर जा रहे थे. दोपहर

जबलपुर हाईवे पर दर्दनाक हादसा

करीब 12 बजे चनाटौरिया स्थित पेट्रोल पंप से निकलकर कार जैसे ही जबलपुर मार्ग की ओर बढ़ी, सामने से आ रही तेज रफ्तार यात्री बस ने उसे टक्कर मार दी.

हादसे में रामपुरा वार्ड निवासी निर्मल चंद जैन उर्फ मुन्ना कोयला (62) और प्रशांत जैन (46) तथा हरियाणा निवासी विकास पिता जगदीश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई. एक अन्य घायल ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया. उसकी पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है. कार सवार एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है. पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है.

होटल में गैस सिलेंडर में आग लगने से दो की मौत, एक गंभीर

दमोह, 19 सितंबर. देहात थाना क्षेत्र में जबलपुर स्टेट हाईवे स्थित होटल रॉयल दमयंती पैलेस में शनिवार दोपहर गैस सिलेंडर में आग लगने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक झुलस गया.

हादसा खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर की पाइप निकलने के बाद हुआ. आग बुझाने के प्रयास में कैटरिंग के तीन कर्मचारी झुलस गए. तीनों कर्मी छत्तीसगढ़ के थे.

जिन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां 32 वर्षीय गौरव कुमार ने दम तोड़ दिया. वहीं अजय की जबलपुर रेफर किए जाने के दौरान रास्ते में मौत हो गई. तीसरे की स्थिति गंभी है.

कुपोषण से हुई बैगा बच्चों की मौत

एनआईडीएसपी के विशेषज्ञ डॉ. नरेश ने रिपोर्ट में किया दावा

इंदौर, 19 सितंबर. फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज के महामारी विशेषज्ञ डॉ. नरेश पुरोहित की सर्वे रिपोर्ट ने बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं. उन्होंने बालाघाट जिले के 32 बैगा बच्चों की मौत का कारण कुपोषण, रक्ताल्पता, साफ पेयजल की कमी को बताया है. पुरोहित ने शनिवार को इंदौर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में अपनी 'कुपोषण से जंग' रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद

बताया कि बैगा बच्चों में गंभीर कुपोषण, एनीमिया और कम वजन की समस्या पहले से मौजूद थी. इसके साथ ही खसरा, मलेरिया, निमोनिया और डायरिया जैसी संक्रामक बीमारियों के फैलने से स्थिति और गंभीर हुई. एनआईडीएसपी के प्रमुख अन्वेषक डॉ पुरोहित ने कहा कि जिले में हजारों बच्चे मध्यम और गंभीर कुपोषण से प्रभावित पाये गये हैं. 400 से अधिक बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जिसके बाद जिला अस्पताल में बिस्तर बढ़ाकर 150 करने पड़े.

ग्लोबल चिप कंपनियों का मप्र पर बढ़ा भरोसा

- इंदौर समिट के लिए मिला उत्साहजनक रिस्पॉन्स
- जापान, दक्षिण कोरिया और अमेरिकी कंपनियों से चर्चा

नवभारत न्यूज

नई दिल्ली, 19 सितंबर. सेमीकॉन इंडिया 2026 के समापन पर मध्यप्रदेश पवेलियन में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश को लेकर कई महत्वपूर्ण चर्चाएं हुईं. मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम के प्रबंध निदेशक आशीष वशिष्ठ के नेतृत्व में अधिकारियों ने जापान, दक्षिण कोरिया और अमेरिका की सेमीकंडक्टर कंपोनेंट निर्माता कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बिजनेस-टू-बिजनेस बैठकें कीं.

राज्य सरकार के अनुसार, नई सेमीकंडक्टर नीति के तहत मिलने वाले प्रोत्साहनों और जल-बिजली सहित बुनियादी ढांचे को देखते हुए कई कंपनियों ने मध्यप्रदेश में सहायक इकाइयां और लॉजिस्टिक्स हब स्थापित करने में रुचि दिखाई है. चिप डिजाइनिंग क्षेत्र में भी निवेश और साझेदारी को लेकर चर्चा हुई.

समापन सत्र में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की समीक्षा बैठकों के दौरान राज्य के शैक्षणिक ढांचे की सराहना किए जाने की जानकारी दी गई. आईआईटी इंदौर और ट्रिपल आईटी ग्वालियर के स्वदेशी चिप डिजाइन प्रदर्शनों ने कंपनियों का ध्यान आकर्षित किया. राज्य के अनुसार, कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने स्थानीय चिप डिजाइन प्रतिभाओं के साथ साझेदारी में रुचि दिखाई है.

वहीं पारस सेमीकंडक्टर्स और एचएलबीएस जैसी कंपनियों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जोड़ने के प्रस्ताव मिलने की जानकारी भी सामने आई है.

उपलब्धि धार्मिक स्थलों के अलावा दर्जनभर स्थानों पर पहुंचे पर्यटक, शूटिंग से बढ़ा आकर्षण

'हनुमान अंश' ने दी चित्रकूट को नई पहचान

नवभारत न्यूज

सतना, 19 सितंबर. हिन्दी सिनेमा की बायोपिक फिल्म हनुमान अंश ने भगवान राम की तपोस्थली चित्रकूट के कई अनजाने स्थलों को नई पहचान दी है. फिल्म में दिखाए गए स्थानों को देखने के लिए अब पर्यटक पहुंचने लगे हैं. हालांकि इनमें से कई स्थल अभी विकसित नहीं हैं और स्थानीय स्तर पर उनकी पहचान सीमित है.

फिल्म के निर्देशक विशाल चतुर्वेदी ने धार्मिक भावनाओं और चित्रकूट की आध्यात्मिक पहचान को ध्यान में रखते हुए शूटिंग के लिए ऐसे स्थानों का चयन किया, जो फिल्म की कहानी और नीम करौली बाबा के जीवन प्रसंगों से मेल खाते थे. इसके लिए चित्रकूट जनपद के परसौजा गांव को प्रमुख शूटिंग स्थल बनाया गया. इसके अलावा टाठी घाट सहित कई अन्य स्थानों पर भी फिल्म के दृश्य फिल्माए गए. चित्रकूट में लंबे समय से यह मान्यता रही है कि यहां अनेक साधु-संत और मुनि तपस्या करते रहे हैं. मंदाकिनी नदी के किनारे स्थित दुर्गम जंगल और पहाड़ी क्षेत्र अपनी प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक वातावरण के लिए प्रसिद्ध हैं.

> **80 प्रतिशत शूटिंग चित्रकूट के आसपास हुई**
>
> फिल्म में चित्रकूट के प्रसिद्ध रामघाट को भी शामिल किया गया है. मान्यता है कि इसी क्षेत्र में गोस्वामी तुलसीदास को हनुमानजी के दर्शन होने का प्रसंग जुड़ा हुआ है. इसके अलावा मंदाकिनी तट स्थित पंजाबी बाबा आश्रम में फिल्म का पहला दृश्य शूट किया गया. शिवरामपुर में हवालात का दृश्य फिल्माया गया, जहां निर्देशक को बाद में जानकारी मिली कि उसी कमरे में कभी नीम करौली बाबा भी ठहरे थे. परमहंस आश्रम धारकुंडी स्थित अधर्मषण कुंड में भी फिल्म के कई दृश्य शूट किए गए. फिल्म देखने वाले लोगों का दावा है कि इसके करीब 80 प्रतिशत हिस्से की शूटिंग चित्रकूट और आसपास के क्षेत्रों में हुई है. फिल्म के माध्यम से चित्रकूट के धार्मिक स्थलों के साथ-साथ कई प्राकृतिक और आध्यात्मिक स्थलों को भी पहचान मिली है. अब ये स्थान पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं.

दो लाख रुपए रिश्वत मांगने के आरोप में पटवारी निलंबित

छतरपुर. किसान से 2 लाख रुपए रिश्वत मांगने के आरोप में गौरिहार अनुविभाग के पटवारी महेंद्र सिंह को निलंबित कर दिया गया है. 18 सितंबर को सामने आए कथित ऑडियो में पटवारी एक किसान से मामला निपटाने के बदले 2 लाख रुपए की मांग करते सुनाई दे रहे थे. ऑडियो सामने आने के बाद एसडीएम गौरिहार विजय डेहरिया ने मामले की जांच के निर्देश दिए थे. तहसीलदार गौरिहार की जांच रिपोर्ट और ऑडियो की जांच के आधार पर रिश्वत मांगने की बात सामने आने के बाद एसडीएम ने निलंबन आदेश जारी किया. मामला ग्राम मोटाखेड़ा, तहसील घुवारा के एक किसान से जुड़ा बताया गया है.

> **भारत को सप्लाई चेन का केंद्र बनाने पर सहमति**
>
> इकोसिस्टम का निर्माण' थीम पर आयोजित तीन दिवसीय सेमीकॉन इंडिया के समापन पर भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला का मजबूत केंद्र बनाने पर जोर दिया गया. सम्मेलन में वैश्विक कंपनियों और सरकार के बीच चिप आपूर्ति श्रृंखला में भारत की भूमिका बढ़ाने को लेकर चर्चा हुई. सरकार सेमीकॉन 2.0 के तहत केवल चिप निर्माण तक सीमित न रहकर डिजाइन, मशीन, उपकरण और अनुसंधान एवं विकास सहित पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को देश में विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है.